B.A. FIRST SEMESTER EXAMINATION 2021

SANSKRIT

संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण

Time : 3:00 Hours Max. Marks : 75

नोट :प्रश्नपत्र के तीन खण्ड 'अ' 'ब' और 'स' हैं। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

खण्ड 'अ'(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं 07 प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 50 शब्द हैं। 7X2=14

1.1 महाकवि कालिदास के किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिये।

1.2 महाकवि बाल्मीकि की रचना का नाम बताइये।

1.3 कुमारसम्भवम् महाकाव्य में ' अस्त्युत्तरस्याम् दिशिदेवतात्मा'' पंक्ति किसके लिये कहा गया है ?

1.4 'नीतिशतकम्' किसकी रचना है ?

1.5 'कुमारसम्भवम्' किसकी रचना है ?

1.6 "हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः" सूक्ति का अर्थ लिखिये।

1.7 अच् किसे कहते हैं ,

1.8 प्रयत्न कितने होते हैं ?

1.9 उपेन्द्रः में कौन सी सन्धि है ?

1.10 अच् प्रत्याहार में कौन –कौन से वर्ण हैं ?

खण्ड 'ब'(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द हैं। 5X5=25

1. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिये–

येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके मुविभारभूता
मनुष्य रूपेण मृगाश्चरन्ति।।

P.T.O.

2. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याया कीजिये–

अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयोनामनगाधिराजः।
पूर्वापरौ तोयनिधि बगात्थ स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः।।

3. निम्नलिखित की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याया कीजिये–

सा किंसश्वा साधु न शस्तियोऽधिपं
हितान्न यः संश्रृणुते स किम्प्रभुः।।
सदानुकूलेषु हि कुर्वते रति
नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः।।

4. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याया कीजिये–

वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तंबनचरैः सह।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रमवनेष्वदि।।

5. माहेश्वर सूत्र लिखिये तथा अक प्रत्याहार के अर्न्गत आने वाले वर्णों को लिखिये।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदो का सन्धि विच्छेद कीजिये–

(क) नरेन्द्रः, देवैश्वर्यम्, रामवृचिनोति, विष्णूदयः।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सन्धि कीजिये–
सत् +चित्, हिम + आलयः , श्री + ईशः, दिन+ ईशः , कृष्ण + एकत्वम् , शक + अन्धु।

7. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिये–

(क) "अकः सवर्णे दीर्घः"।

(ख) हलन्त्यम्।

8. 'माघेसान्तित्रयोगुणः' पर टिप्पणी लिखिये।

खण्ड 'स'(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं 03 प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 400 शब्द हैं। 3X12=36

9. "उपमाकालिदासस्य" सूक्ति पर प्रकाश डालिये।

10. भारवि की काव्यगत विशेषताओं को लिखिये।

11. महाकवि कालिदास की काव्यकला पर प्रकाश डालिये।

12. महाकवि माघ के काव्यगत विशेषताओं को लिखिये।

13. 'नीतिशतक' ग्रन्थ में आये हुये कुछ नीतिगत उपदेश पर प्रकाश डालिये।
14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सन्धिपदों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिये।
गङ्गौघः, पावकः , दैत्यारि, रामश्शेते।

****